my city
देहरादून | शुक्रवार • 22.03.2024
अमर उजाला
02
amarujala.com/dehradun

सभी विश्वविद्यालयों ने 'एक विवि एक शोध' पर शुरू किया काम

राज्यपाल ने जनवरी 2025 तक शोध कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए

माई सिटी रिपोर्टर

देहरादून। राज्य हित में विश्वविद्यालयों ने एक विश्वविद्यालय एक शोध पर काम शुरू कर दिया है। बृहस्पतिवार को राजभवन हुई राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक में सभी कुलपतियों ने वर्तमान तक की प्रगति का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने सभी को जनवरी 2025 तक शोध कार्य पूरा कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, विश्वविद्यालय राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभाए।

राज्यपाल ने कहा, विश्वविद्यालयों के शोध एवं अनुसंधान का लाभ लोगों को मिले तभी इसकी सार्थकता होगी। सभी कुलपतियों को कार्य को लेकर स्वायत्तता दी गई है। कुलपति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलॉजी का उपयोग करते हुए विश्वविद्यालयों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों के हर क्रिया-कलापों में तकनीकी का अधिकाधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि राज्यपाल ने सभी विवि को पूर्व में राज्य हित में एक विवि एक शोध के निर्देश दिए थे। विश्वविद्यालयों ने इस पर काम शुरू कर दिया है। बैठक में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन समेत विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद रहे।

कुलपतियों के साथ बैठक करते राज्यपाल ले. ज. गुरमीत सिंह (सेनि)। स्रोत : राजभवन

ये विश्वविद्यालय इन विषयों पर कर रहे शोध

विश्वविद्यालय	शोध विषय
दून विश्वविद्यालय	उत्तराखंड में महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार
श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय	प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक संदर्भ में जोड़ना
संस्कृत विश्वविद्यालय	संस्कृति और भारतीय ज्ञान प्रणाली की पुर्नस्थापना उत्तराखंड के विशेष संदर्भ में
जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय	उत्तराखंड में मधु (शहद) क्रांति की शुरुआत
एसएसजे विश्वविद्यालय	जीआईएस में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय	एआई और टेक्नोलॉजी के उपयोग से राज्य के प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को मजबूत करना
उत्तराखंड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय	भगंदर बीमारी के लिए क्षारसूत्र का प्रबंधन
चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय	जिला चिकित्सालयों में ट्रॉमा केयर प्रबंधन
मुक्त विश्वविद्यालय	दिव्यांग और वंचितों के लिए शिक्षा जागरूकता
औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय	सेब, अखरोट और शहद के अधिक उत्पादन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकीय
कुमाऊं विश्वविद्यालय	पारंपरिक खाद्य वनस्पतियों से बायोएक्टिव औषधीय हर्बल चाय से संबंधित शोध

तकनीकी का अधिकाधिक उपयोग करें : राज्यपाल

देहरादून (एसएनबी)।. राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली। बैठक में सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति और शासन के उच्चाधिकारी मौजूद थे। बैठक में वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च पर सभी कुलपतियों द्वारा किए जा रहे शोध विषयों पर अपने-अपने प्रस्तुतीकरण दिये।

- राज्यपाल ने ली राज्य विवि के कुलपतियों की बैठक
- वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च पर किए शोधों पर प्रस्तुतीकरण दिये

गौरतलब है कि पूर्व में राज्यपाल द्वारा सभी विश्वविद्यालय को राज्य हित में योगदान के लिए एक वर्ष तक अपने गहन शोध के माध्यम से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे जो राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। विश्वविद्यालयों द्वारा अपनी विशेषज्ञता के अनुसार अपने शोध के विषय चयन किया गया है इस संबंध में सभी कुलपतियों द्वारा वर्तमान तक की प्रगति का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण दिया गया।

शोध के विषयों में दून विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखंड में महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय द्वारा प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक संदर्भ में जोड़ना, संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा संस्कृति और भारतीय ज्ञान प्रणाली की पुर्नस्थापनाः उत्तराखंड के विशेष संदर्भ में, जीबी पंत पि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा उत्तराखंड में मु (शहद) क्रांति की शुरूआत, एसएसजे विश्वविद्यालय द्वारा जीआईएस में सेंटर आफ एक्सीलेंस, उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा एआई और टेक्नोलाजी के उपयोग से राज्य के प्राथमिक और मायमिक शिक्षा को मजबूत करना, उत्तराखंड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय द्वारा भंगदर बीमारी के लिए क्षारसूत्र का प्रबंधन, चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय द्वारा जिला चिकित्सालयों में ट्रमा केयर प्रबंधन, मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा दिव्यांग और वंचितों को शिक्षा जागरूकता,

कुलपतियों की बैठक लेते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि)।

औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय द्वारा सेब, अखरोट और शहद के अधिक उत्पादन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए शोध का उपयोग और कुमाऊं विश्वविद्यालय द्वारा पारंपरिक खाद्य वनस्पतियों से बायोएक्टिव औषीय हर्बल चाय से संबंति शोध के लिए प्रगति और आगामी कार्ययोजना के बारे में बताया।

राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों के शोध और अनुसंधान का लाभ लोगों को मिले तभी इसकी सार्थकता होगी। राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों से जनवरी 2025 तक शोध कर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसके अलावा राज्यपाल ने कहा कि सभी कुलपतियों को कार्य करने स्वायत्तता प्रदान की गई है। कुलपति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलाजी का उपयोग करते हुए विश्वविद्यालयों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों की प्रत्येक क्रियाकलापों में टेक्नोलाजी का अधिकाधिक उपयोग करने के निर्देश दिये।

इस बैठक में राज्यपाल ने कुलपतियों द्वारा विश्वविद्यालय में किए जा रहे नवाचारों और उपलबियों पर संतोष जताया। उन्होंने कुलपतियों को विश्वविद्यालयों की प्रत्येक चुनौती के समाधान के लिए आश्वस्त किया। बैठक में विश्वविद्यालयों द्वारा संस्थानों की संबद्धता, विश्वविद्यालयों में सेंटर आफ एक्सीलेंस, सहित अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, सचिव चंद्रेश कुमार यादव, सचिव विनोद कुमार, सचिव डा.आर राज़ेश कुमार, कुलपति उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय डा,ओपीएस नेगी, कुलपति श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रो.एनके जोशी, कुलपति जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय डा. मनमोहन चौहान, कुलपति तकनीकी विश्वविद्यालय प्रो.ओंकार सिंह, कुलपति आयुर्वेद विश्वविद्यालय प्रो.अरुण कुमार त्रिपाठी, कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो.दिनेश चंद्र शास्त्री, कुलपति चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय प्रो.मदन लाल ब्रह्मभट्ट, कुलपति कुमाऊँ विश्वविद्यालय प्रो.दीवान सिंह रावत, कुलपति दून विश्वविद्यालय प्रो.सुरेखा डंगवाल, कुलपति औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय डा.परविंदर कौशल और कुलपति सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय प्रो.सतपाल सिंह बिष्ट आदि उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

अपना देहरादून

विश्वविद्यालयों ने शुरू किया उत्तराखंड के विषयों पर शोध

देहरादून, विशेष संवाददाता। राज्य के विकास से जुड़े विषयों पर शोध के राज्यपाल ले.ज. गुरमीत सिंह (सेनि.) के वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च फार्मूले पर राज्य के सरकारी विश्वविद्यालयों ने काम शुरू कर दिया। ग्यारह सरकारी विवि ने एक-एक विषय चुना है। गुरुवार को विवि के कुलपतियों ने राजभवन में राज्यपाल के सामने शोध विषयों पर अब तक की प्रगति का खाका पेश किया। राज्यपाल ने कुलपतियों को जनवरी 2025 तक शोध पर विस्तृत रिपोर्ट देने को कहा है। राज्यपाल ने कहा कि शोध कार्य की सार्थकता तभी है, जब आम आदमी को उसका लाभ मिले। इस मौके पर प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव शैलेश बगौली, रविनाथ रामन, चंद्रेश कुमार यादव, विनोद कुमार और डॉ. आर. राजेश कुमार, कुलपति डॉ. ओपीएस नेगी आदि मौजूद रहे।

इन विषयों पर हो रहा शोध

- दून विवि: उत्तराखंड में महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार
- श्रीदेव सुमन विवि: प्राचीन भारतीय ज्ञान का आधुनिक संदर्भ में उपयोग
- संस्कृत विश्वविद्यालय: संस्कृति और भारतीय ज्ञान प्रणाली की पुर्नस्थापना का विषय
- जीबी पंत विवि: उत्तराखंड में मधु (शहद) क्रांति का विषय
- एसएसजे विवि: जीआईएस में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का विषय
- उत्तराखंड तकनीकी विवि: बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा में एआई और टेक्नोलॉजी का समावेश
- उत्तराखंड आयुर्वेदिक विवि: भंगदर बीमारी के लिए क्षारसूत्र का प्रबंधन
- चिकित्सा शिक्षा विवि: जिला अस्पतालों में ट्रॉमा केयर प्रबंधन

राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी, नवाचार नीति पर सम्मेलन

देहरादून। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) उत्तराखंड और उत्तराखंड राज्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) ने सम्मेलन किया। देवभूमि उत्तराखंड विवि मांडूवाला में राष्ट्रीय विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति पर सम्मेलन हुआ। यूकॉस्ट के संयुक्त निदेशक डॉ. डीपी उनियाल मौजूद रहे।

सभी राज्य विश्वविद्यालय जनवरी तक सौंपें शोध रिपोर्ट

राज्यपाल ने राजभवन में विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली, कुलपतियों ने चयनित शोध विषयों पर दिया प्रस्तुतीकरण

राज्य ब्यूरो, देहरादून : राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) के समक्ष गुरुवार को राजभवन में राजकीय विश्वविद्यालयों ने 'वन यूनिवर्सिटी-वन रिसर्च' के अंतर्गत शोध के लिए चयनित विषयों का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि विश्वविद्यालयों के शोध एवं अनुसंधान का लाभ आमजन को मिले, तभी इसकी सार्थकता है। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों से जनवरी, 2025 तक शोध कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

राजभवन में राज्यपाल ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की बैठक ली। राज्यपाल ने कुछ समय पहले सभी विश्वविद्यालयों को राज्य हित में एक वर्ष तक गहन शोध के माध्यम से अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह भी कहा था कि शोध ऐसा हो, जो राज्य के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाए। राज्यपाल के निर्देश पर विश्वविद्यालयों ने अपनी विशेषज्ञता के अनुसार शोध के विषय चयनित किए। कुलपतियों ने इन शोध विषयों की वर्तमान प्रगति का संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण भी दिया।

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने गुरुवार को राजभवन में राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बैठक की ● सामार सूवि

दून विश्वविद्यालय ने प्रदेश में महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार, श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय ने प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक संदर्भ में जोड़ने, संस्कृत विश्वविद्यालय ने संस्कृति और भारतीय ज्ञान प्रणाली की पुनर्स्थापना: उत्तराखंड के विशेष संदर्भ से संबंधित शोध के बारे में जानकारी दी। जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय ने उत्तराखंड में मधु (शहद) क्रांति की शुरुआत, एसएसजे विश्वविद्यालय ने जीआइएस में सेंटर आफ एक्सीलेंस, उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय ने एआइ और टेक्नोलाजी के उपयोग से राज्य की प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा को मजबूत करने से संबंधित शोध विषय का चयन किया है। उत्तराखंड आयुर्वेदिक विश्वविद्यालय ने भंगदर बीमारी के लिए क्षारसूत्र का प्रबंधन, चिकित्सा शिक्षा विश्वविद्यालय ने जिला चिकित्सालयों में ट्रामा केयर प्रबंधन, मुक्त विश्वविद्यालय ने दिव्यांग और वंचितों को शिक्षा जागरूकता से संबंधित शोध पर प्रस्तुतीकरण दिया।

औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय ने सेब, अखरोट और शहद के अधिक उत्पादन को उन्नत प्रौद्योगिकियों के लिए शोध का उपयोग एवं कुमाऊं विश्वविद्यालय ने पारंपरिक खाद्य वनस्पतियों से बायोएक्टिव औषधीय हर्बल चाय से संबंधित शोध की प्रगति और आगामी कार्ययोजना के बारे में जानकारी दी। बैठक में राज्यपाल ने कहा कि सभी कुलपतियों को कार्य करने की स्वायत्तता प्रदान की गई है। कुलपति आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और टेक्नोलाजी का उपयोग करते हुए विश्वविद्यालयों में जवाबदेही और पारदर्शिता सुनिश्चित करें। उन्होंने विश्वविद्यालयों के प्रत्येक क्रियाकलापों में टेक्नोलाजी का अधिकाधिक उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने विश्वविद्यालयों में नवाचारों और उपलब्धियों के संबंध में कुलपतियों के स्तर से उठाए जा रहे कदमों पर संतोष जताया। साथ ही उन्हें आश्वस्त किया कि विश्वविद्यालयों की प्रत्येक चुनौती का समाधान किया जाएगा। बैठक में विश्वविद्यालयों से संस्थानों को संबद्धता मिलने, सेंटर आफ एक्सीलेंस की स्थापना, सहित अन्य बिंदुओं पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव शैलेश बगोली, राज्यपाल के सचिव रविनाथ रामन, सचिव चंद्रेश कुमार यादव, सचिव विनोद कुमार, सचिव डा आर राजेश कुमार एवं सभी राज्य विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित रहे।